क्या लापता कविता के माता-पिता को खोजने के लिए निम्न कदम उठाए गए -

लापता बच्चे के मामले की पुलिस द्वारा पालन की जाने वाली प्रक्रिया:

- बाल कल्याण पुलिस अधिकारी को सूचित करना और बच्चे के बारे में पता लगाना व तत्काल कार्यवाही के लिए एफ.आई.आर. को विशेष किशोर पुलिस इकाई को अग्रसारित करना।
- लापता बच्चे की हाल फिलहाल की फोटो प्राप्त कर, उसे जिला लापता व्यक्ति इकाई, लापता व्यक्ति दल, राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो को मुहैया कराना।
- वेब पोर्टल पर www.trackthemissingchild.gov.in पर फॉर्म 'एम' भरना।
- पोर्टल पर संबंधित जानकारी भर लेने के बाद, एफ.आई.आर. की प्रति के साथ लापता बच्चे के माता-पिता या अभिभावक का पता, संपर्क नंबर आदि निकटतम कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में डाक या ई-मेल के द्वारा भेजना।
- लापता बच्चे की सही सूचना फोटो और शारीरिक विवरण प्रकाशन के लिए भेजना।

कविता व उसके जैसे लापता बच्चों की मदद के लिए आगे आएं

किसी भी लापता बच्चे के पाए जाने व इस तरह की खबर मिलते ही निम्न जगहों पर संपर्क करें-

- विशेष किशोर पुलिस इकाई (एस.जे.पी.यू.)
- बाल कल्याण पुलिस अधिकारी
- राष्ट्रीय आयोग, बाल अधिकार संरक्षण (एन.सी.पी.सी.आर.)
- चाइल्ड लाइन- 1098

किसी भी आपातकालीन स्थिति में 100 नंबर पर फोन कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

परिवार ही है हर बच्चे की खुशी

लापता बच्चों को खुशी दिलाएं, उनके माता-पिता को खोज जिम्मेदारी निभाएं!

new concept
Centre for Development Communication

unicef | for every child

आखिर कविता के अपने हैं कौन?

कविता के माता-पिता कौन हैं, उनका नाम क्या है, कहां रहते हैं, ये शायद किसी को भी नहीं पता। दरअसल कविता के जन्म के कुछ घंटे बाद ही उसके घरवाले उसे मंदिर की चौखट पर छोड़ कर चले गए। कविता को रोता देख किसी ने उसे अनाथालय पहुंचा दिया। तब से वह अनाथालय को ही अपना घर मान चुकी है। वह अब पांच साल की हो गई है परन्तु उसका आज तक कोई खोज खबर लेने वाला नहीं आया। लोगों का मानना है कि एक लड़की होने के कारण उसके घरवालों ने उसे अपनाने से मना कर दिया होगा क्योंकि और कोई वजह नहीं दिखाई देती। कविता हर रोज इसी उम्मीद के साथ उठती है कि उसके माता-पिता आएंगे और उसे अपने साथ घर लेकर जाएंगे। जहां वह दूसरे बच्चों की तरह ही एक खुशहाल ज़िंदगी जी सकेगी। लेकिन उसे हर दिन निराशा ही हाथ लगती है क्योंकि उसे अपने साथ ले जाने वाला कोई नहीं आता.....!

कविता के जैसे और भी हैं कई बच्चे

लापता बच्चे कौन होते हैं?

जो बच्चे अपने परिवार/अभिभावक से अलग हो जाते हैं वे लापता कहलाते हैं, इनके साथ ही लापता की श्रेणी में नीचे दिए गए बच्चे भी शामिल होते हैं-

पाए गए बच्चे

घर से भागे हुए बच्चे

त्यागे हुए बच्चे

अपहरण किए गए बच्चे

खोए हुए बच्चे

सौदागरी बच्चे

आपदा, दुर्घटना या अन्य किसी कारणों से खोए हुए, पाए गए या लापता बच्चे